प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 6

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हरियाणा के पुरातत्त्व विभाग द्वारा किए गए अब तक के शोध और खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली यह राजधानी ईसा से लगभग 3300 वर्ष पूर्व मौजूद थी। इन प्रमाणों के आधार पर यह तो तय हो ही गया है कि राखीगढ़ी की स्थापना उससे भी सैकड़ों वर्ष पूर्व हो चुकी थी।

अब तक यही माना जाता रहा है कि इस समय पाकिस्तान में स्थित हड़प्पा और मोहनजोदड़ो ही सिंधुकालीन सभ्यता के मुख्य नगर थे। राखीगढ़ी गाँव में खुदाई और शोध का काम रुक-रुक कर चल रहा है। हिसार का यह गाँव दिल्ली से मात्र एक सौ पचास किलोमीटर की दूरी पर है। पहली बार यहाँ वर्ष 1963 में खुदाई हुई थी और तब से इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर माना गया। उस समय के शोधार्थियों ने सप्रमाण घोषणाएँ की थीं कि यहाँ दबे नगर कभी मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से भी बड़े रहे होंगे। अब सभी शोध विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि राखीगढ़ी, भारत-पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान का आकार और आबादी की दृष्टि से सबसे बड़ा शहर था। प्राप्त विवरणों के अनुसार समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सभी सड़कें 1.92 मीटर चौड़ी थीं। यह चौड़ाई कालीबंगा की सड़कों से भी ज्यादा है। एक ऐसा बर्तन भी मिला है, जो सोने और चाँदी की परतों से ढका है। इस स्थल पर एक 'फाउंड्री' के भी चिह्न मिले हैं, जहाँ संभवतः सोना ढाला जाता होगा।

इसके अलावा टैराकोटा से बनी असंख्य प्रतिमाएँ ताँबे के बर्तन और कुछ प्रतिमाएँ और एक 'फ़र्नेस' के अवशेष भी मिले हैं। मई, 2012 में 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने इसे एशिया के दस ऐसे 'विरासत स्थलों' की सूची में शामिल किया है, जिनके नष्ट हो जाने का खतरा है। राखीगढ़ी का पुरातात्त्विक महत्त्व विशिष्ट है। इस समय यह क्षेत्र पूरे विश्व के पुरातत्त्व विशेषज्ञों की रुचि और जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। यहाँ बहुत से काम बाकि हैं, जो अवशेष मिले हैं, उनका समुचित अध्ययन अभी शेष है। उत्खनन का काम अब भी अधूरा है।

(i) अब सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर किसे माने जाने की संभावनाएँ हैं?

क) मोहनजोदड़ो　　ख) राखीगढ़ी

ग) हड़प्पा　　घ) कालीबंगा

(ii) चौड़ी सड़कों से स्पष्ट होता है कि-

क) शहर नियोजित था　　ख) यातायात के साधन थे

ग) बड़ा शहर था　　घ) अधिक आबादी थी

(iii) इसे एशिया के **विरासत स्थलो** में स्थान मिला, क्योंकि-

क) सबसे विकसित संभ्यता है　　ख) नष्ट हो जाने का खतरा है

ग) इतिहास में इसका नाम सर्वोपरि है　　घ) यहाँ विकास की तीन परतें मिली हैं

(iv) निम्नलिखित में से प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

i. राखीगढ़ी: एक सभ्यता की संभावना

ii. सिंधु-घाटी सभ्यता

iii. विलुप्त सरस्वती की तलाश

iv. एक विस्तृत शहर राखीगढ़ी

क) विकल्प (ii)　　ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (iv)　　घ) विकल्प (i)

(v) राखीगढ़ी का पुरातात्विक महत्व है क्योंकि-

i. समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सड़कें चौड़ी थी

ii. यहाँ सोने-चाँदी की परतों से ढके हुए बर्तन थे

iii. एशिया के दस विरासत स्थलों में इसे शामिल किया गया है

iv. कालीबंगा की सड़कें अधिक चौड़ी थी

क) कथन i, ii व iii सही हैं　　ख) कथन ii, iii व iv सही हैं

ग) कथन i, ii व iv सही हैं　　घ) कथन ii सही है

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है। शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कर्त्तव्याभिमुख हो जाता है। 'स्व' से 'पर' की ओर अग्रसर होने लगता है। निर्बल की सहायता करना, दुःखियों के दुःख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुःख से दुःखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती हैं।
इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान् ही नहीं बनता, वरन् उसमें एक विशिष्ट जीवन-दृष्टि, रचनात्मकता और परिपक्वता

का सृजन भी होता है। शिक्षित सामाजिक परिवेश में व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश की तुलना में सदैव ही उच्च स्तर पर जीवनयापन करता है। आज आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं, जिसके कारण रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिका की क्रांति, समाजवाद, पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है। यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुखी रूप है। शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता।

(i) निम्नलिखित में से प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) शिक्षित व्यक्ति और शिक्षा
ख) शिक्षा का दुरुपयोग
ग) आधुनिक शिक्षा व्यवस्था
घ) शिक्षा का महत्त्व

(ii) विद्यार्थी में नवीन जीवन-दृष्टि का निर्माण किसके द्वारा होता है?

क) अपने परिवेश के प्रति जागरूक होने से
ख) विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन से
ग) विभिन्न प्रकार की यात्राओं से
घ) दूसरों की सहायता करने से

(iii) व्यावसायिक शिक्षा का दुष्परिणाम किस रूप में सामने आता है?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर न बनना
ग) व्यावसायिक शिक्षा द्वारा रोजगारोन्मुखी न बनना
घ) व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को सामान्य विषयों की जानकारी न होना

(iv) शिक्षा के प्रति संकुचित दृष्टिकोण किसे माना जाता है?

क) व्यावसायिक शिक्षा को
ख) मौलिक शिक्षा को
ग) नैतिक शिक्षा को
घ) सैद्धांतिक शिक्षा को

(v) **कथन (A):** शिक्षा का संकुचित दृष्टिकोण समाज के लिए हितकारी नहीं है।
कारण (R): व्यावसायिक शिक्षा ही भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में सहायक है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **मुझे उसकी ईमानदारी पर संदेह है।** मिश्र वाक्य में बदलिए-

क) मुझे संदेह है कि वह ईमानदार है

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) उसकी ईमानदारी पर मुझे संदेह है

घ) वह ईमानदार होते हुए भी संदेह का शिकार है

(ii) **यद्यपि मैं अच्छा खेला, फिर भी हार गया।** वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

क) जैसे ही मैं अच्छा खेला, वैसे ही मैं हार गया।

ख) मैं अच्छा खेला, किन्तु हार गया।

ग) मैं खेला, हार गया।

घ) मेरे अच्छा खेलने के बावजूद भी मैं हार गया।

(iii) **सुबह जल्दी उठो और एक घंटा भ्रमण के लिए जाओ।** वाक्य-रचना की दृष्टि से है-

क) संयुक्त वाक्य

ख) सरल वाक्य

ग) साधारण वाक्य

घ) मिश्र वाक्य

(iv) **कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेलकर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे** का मिश्र वाक्य बनेगा-

i. कई सालों से जैसे-जैसे बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे थे वैसे-वैसे उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे।

ii. बड़े-बड़े बिल्डर कई सालों से समंदर को पीछे धकेल रहे थे और उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे।

iii. कई सालों से, समुद्र को पीछे धकेलकर बड़े-बड़े बिल्डर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे।

iv. समंदर को पीछे धकेलकर, कई सालों से, बड़े-बड़े बिल्डर, उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे।

क) विकल्प (iii)

ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (iv)

घ) विकल्प (i)

(v) **उसे रिपोर्ट लिखवाने थाने जाना है।** वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

क) वह थाने जाएगा रिपोर्ट लिखवाने।

ख) वह थाने रिपोर्ट लिखवाने गया।

ग) उसे रिपोर्ट लिखवानी है इसलिए

घ) उसे रिपोर्ट लिखवानी थी इसलिए

थाने जाएगा। वह थाने गया था।

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) 'मैं **<u>कल चार बजे</u>** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

क) क्रिया पदबंध ख) संज्ञा पदबंध

ग) विशेषण पदबंध घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(ii) लाल रंग के **<u>कपड़ों में प्रिया</u>** बहुत सुन्दर लग रही थी। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) क्रियाविशेषण पदबंध ख) सर्वनाम पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध घ) विशेषण पदबंध

(iii) **<u>सुबह से शाम तक</u>** वह बैठा रहा। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है?

क) विशेषण पदबंध ख) सर्वनाम पदबंध

ग) अव्यय पदबंध घ) संज्ञा पदबंध

(iv) **<u>महँगी खरीदी हुई शॉल</u>** फट गई है। रेखांकित में पदबंध है

क) विशेषण पदबंध ख) संज्ञा पदबंध

ग) क्रिया पदबंध घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(v) सूखा पड़ने के कारण **<u>पेड़ों से पत्तियाँ एक-एक कर गिरने लगी</u>**। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) सर्वनाम पदबंध ख) क्रिया पदबंध

ग) क्रिया-विशेषण पदबंध घ) संज्ञा पदबंध

5. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) माँ रात भर अपने पुत्र की ________ पर वह नहीं आया।

क) प्रतीक्षा करती रही ख) बाट जोहती रही

ग) आरती उतारती रही घ) तरफ देखती रही

(ii) बिना धन के कोई व्यापार करना ________ है। रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए।

क) आकाश में उड़ना ख) घर में उड़ना

ग) पैरों से उड़ना घ) खुले मैदान में उड़ना

(iii) छाती पर मूँग दलना मुहावरे का उचित अर्थ है-

क) मूँग की दाल बनाना

ख) प्रेम करना

ग) पास रहकर दुःख देना

घ) मेहनत का काम करना

(iv) कुएँ में विशाल साँप को देखकर लेखक के ________ गए। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) इनमें से कोई नहीं

ख) उल्लू सीधा करना

ग) अंग-अंग टूटना

घ) हाथ-पाँव फूल जाना

(v) तुम तो कभी दिखाई ही नहीं देते, तुम्हें देखने को तरस गया, ऐसा लगता है कि तुम ________ गए हो। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए

क) कहीं गुम होना

ख) घर से बाहर न निकलना

ग) ईद के सूरज होना

घ) ईद के चाँद होना

(vi) सीता ने ________ प्रतियोगिता परीक्षा पास की। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) टका-सा जबाव देकर

ख) आग-बबूला होकर

ग) अपने पैरों पर खड़ा हो

घ) आकाश-पाताल एक कर

6. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) किस समास में पहला पद प्रधान होता है?

क) अव्ययीभाव

ख) कर्मधारय

ग) तत्पुरुष

घ) द्विगु

(ii) **हस्तलिखित** में कौन-सा समास है?

क) द्वंद्व

ख) तत्पुरुष

ग) बहुव्रीहि

घ) कर्मधारय

(iii) **नरोत्तम** में कौन-सा समास है?

क) अव्ययीभाव

ख) तत्पुरुष

ग) द्वंद्व

घ) कर्मधारय

(iv) कूड़े-करकट में प्रयुक्त समास बतायें।

क) द्वंद समास　　　　　　　　　　ख) द्विगु समास

ग) तत्पुरुष समास　　　　　　　　　घ) कर्मधारय समास

(v) किस शब्द में द्विगु समास है?

क) नीलकमल　　　　　　　　　　ख) आजीवन

ग) पुरुषसिंह　　　　　　　　　　घ) सप्ताह

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) कैफ़ी आजमी मूलतः किस भाषा के शायर हैं?

क) फ़ारसी　　　　　　　　　　ख) यूनानी

ग) उर्दू　　　　　　　　　　　घ) अरबी

(ii) श्री कृष्ण ने मगरमच्छ को मार कर किसका कष्ट दूर किया था?

क) गजराज का　　　　　　　　　ख) मछली का

ग) मनुष्य का　　　　　　　　　घ) मीरा का

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) अतंरिक्ष में कौन खड़े हैं?

क) तारे　　　　　　　　　　　ख) नक्षत्र

ग) सूर्य　　　　　　　　　　　घ) देवता

(ii) अतंरिक्ष में खड़े देव अपनी बाहु क्यों बढ़ा रहे हैं?

क) मदद के लिए　　　　　　　　ख) मार्गदर्शन के लिए

ग) स्वस्थता के लिए　　　　　　　घ) समृद्धि के लिए

(iii) कवि मनुष्य को किस प्रकार रहने की सलाह देता है?

क) सहयोग की भावना से　　　　　ख) असहयोग की भावना से

ग) हिंसा की भावना से | घ) ईर्ष्या की भावना से

(iv) **परस्परावलंब** का आशय है-

क) एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना | ख) एक-दूसरे से शत्रुता करना

ग) एक-दूसरे से छल-कपट करना | घ) एक-दूसरे से घृणा करना

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. परोपकारी लोगों की प्रशंसा देवता भी करते हैं।
ii. कलंक रहित लोग ही देवताओं के समीप जा सकते हैं।
iii. मनुष्य के लिए मरने वाला मनुष्य नहीं है।
iv. सभी मनुष्यों को एक-दूसरे का सहारा लेना चाहिए।
v. अंतरिक्ष में अनेक मनुष्य खड़े हैं।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i), (ii), (iv) | ख) (iii), (iv), (v)

ग) (ii), (iii), (iv) | घ) (i), (ii), (iii)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) राजकपूर ने **तीसरी कसम** के लिए कितना पारिश्रमिक माँगा?

क) एक रूपया | ख) इनमें से कोई नहीं

ग) दस रूपया | घ) सौ रूपया

(ii) **तताँरा-वामीरो कथा** के लेखक कौन हैं?

क) श्रीधर मंडलोई | ख) श्री लीलाधर मंडलोई

ग) श्री प्रेमचंद | घ) प्रह्लाद अग्रवाल

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मैं छोटा था, वह बड़े थे। मेरी उम्र नौ साल की थी, वह चौदह साल के थे। उन्हें मेरी तम्बीह और निगरानी का पूरा और जन्मसिद्ध अधिकार था और मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ।

वह स्वभाव से बड़े अध्ययनशील थे। हरदम किताब खोले बैठे रहते और शायद दिमाग को आराम देने के लिए कभी कॉपी पर, किताब के हाशियों पर, चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों की तस्वीरें बनाया करते थे। कभी-कभी एक ही नाम या शब्द या वाक्य दस-बार लिख डालते। कभी एक शेर को बार-बार सुंदर अक्षरों में नकल करते। कभी ऐसे शब्द-रचना करते, जिसमें न कोई अर्थ होता, न कोई सामंजस्य। मसलन एक बार उनकी कॉपी पर मैंने यह इबारत देखी-स्पेशल, अमीना, भाइयों-भाइयों, दरअसल, भाई-भाई। राधेश्याम, श्रीयुत,

राधेश्याम, एक घण्टे तक; इसके बाद एक आदमी का चेहरा बना हुआ था। मैंने बहुत चेष्टा की कि इस पहेली का कोई अर्थ निकालूँ, लेकिन असफल रहा और उनसे पूछने का साहस न हुआ। वह नौवीं जमात में थे, मैं पाँचवी में। उनकी रचनाओं को समझना मेरे लिए छोटा मुँह बड़ी बात थी।

(i) बड़े भाई साहब की तथा लेखक की उम्र में कितने वर्षों का अंतर था?

क) पाँच
ख) नौ
ग) चौदह
घ) तीन

(ii) बड़े भाई साहब स्वभाव से कैसे थे?

i. शरारती
ii. चंचल
iii. अध्ययनशील
iv. सभी विकल्प सही हैं

क) विकल्प (iii)
ख) विकल्प (ii)
ग) विकल्प (iv)
घ) विकल्प (i)

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए लिखते थे।
कारण (R): बड़े भाई की रचनाओं को समझना छोटे भाई के लिए मुश्किल था।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) किसको समझना लेखक के लिए छोटा मुँह बड़ी बात थी?

क) बड़े भाई साहब की रचनाओं को
ख) बड़े भाईसाहब के शेर को
ग) बड़े भाई साहब के स्वभाव को
घ) बड़े भाई साहब को

(v) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

क) पाठ-बड़े भाई साहब, लेखक-प्रेमचंद
ख) पाठ-भाई साहब, लेखक-प्रेमचंद
ग) पाठ-प्रेमचंद्र, लेखक-बड़े भाई साहब
घ) पाठ-तोप, लेखक-सुमित्रानंदन पंत

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) धरोहरें कितने प्रकार की होती हैं? इनकी क्या उपयोगिता है? तोप कविता के आधार पर लिखिए।

(ii) **आत्मत्राण** कविता के अनुसार कवि को ईश्वर के अतिरिक्त और किस पर भरोसा है और क्यों?

(iii) पर्वत प्रदेश में पावस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) वृजलाल गोयनका कौन थे? झंडा दिवस को सफल बनाने में उनकी भूमिका पर डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए।

(ii) कारतूस पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक जाँबाज सिपाही था। कैसे?

(iii) 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि चाय पीने के बाद लेखक ने स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं, उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है?

(ii) सपनों के-से दिन पाठ में हेडमास्टर शर्मा जी की, बच्चों को मारने-पीटने वाले अध्यापकों के प्रति, क्या धारणा थी? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में उसके औचित्य पर अपने विचार लिखिए।

(iii) वह तो जब डॉक्टर साहब की ज़मानत ज़ब्त हो गई तब घर में ज़रा सन्नाटा हुआ और टोपी ने देखा कि इम्तहान सिर पर खड़ा है। वह पढ़ाई में जुट गया। परंतु ऐसे वातावरण में क्या कोई पढ़ सकता था? इसलिए उसका पास ही हो जाना बहुत था। "वाह!" दादी बोलीं, "भगवान नज़रे-बद से बचाए। रफ़्तार अच्छी है। तीसरे बरस तीसरे दर्जे में पास तो हो गए।...." टोपी ज़हीन होने के बावजूद कक्षा में दो बार फेल हो गया। जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों से हार मान लेना कहाँ तक उचित है? टोपी जैसे बच्चों के विषय में आपकी क्या राय है?

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. आपके शहर में अपराध बढ़ते जा रहे हैं। बढ़ते अपराध के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके पिता जी जिस फैक्ट्री में काम करते थे, वह फैक्ट्री सीलिंग के कारण बंद हो गई है। ऐसे में आपके पिता जी सपरिवार गाँव जा रहे हैं। ऐसे में विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र माँगते हुए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

15. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- इंटरनेट क्या है?
- लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

अथवा

विज्ञापन की बढती हुई लोकप्रियता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- विज्ञापन की आवश्यकता
- विज्ञापनों से होने वाले लाभ
- विज्ञापनों से होने वाली हानियाँ

अथवा

जंक फूड विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- जंक फूड क्या होता है?
- युवा पीढ़ी और जंक फूड
- जंक फूड खाने के दुष्परिणाम

16. अपने विद्यालय में होने वाले निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से संबंधित विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

कोचिंग सेंटर हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

17. **नारी का संघर्ष** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

किसी विषय के प्रशिक्षण के लिए ईमेल करें।

18. आपके विद्यालय में मोबाइल लाना निषिद्ध किया गया है। प्रधानाचार्य की ओर से इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए। **[4]**

अथवा

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अपनी बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार योजना में कुछ संशोधन किया है। इसकी सूचना नागरिकों को देने के लिए 20 से 30 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
   हरियाणा के पुरातत्त्व विभाग द्वारा किए गए अब तक के शोध और खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली यह राजधानी ईसा से लगभग 3300 वर्ष पूर्व मौजूद थी। इन प्रमाणों के आधार पर यह तो तय हो ही गया है कि राखीगढ़ी की स्थापना उससे भी सैकड़ों वर्ष पूर्व हो चुकी थी।
   अब तक यही माना जाता रहा है कि इस समय पाकिस्तान में स्थित हड़प्पा और मोहनजोदड़ो ही सिंधुकालीन सभ्यता के मुख्य नगर थे। राखीगढ़ी गाँव में खुदाई और शोध का काम रुक-रुक कर चल रहा है। हिसार का यह गाँव दिल्ली से मात्र एक सौ पचास किलोमीटर की दूरी पर है। पहली बार यहाँ वर्ष 1963 में खुदाई हुई थी और तब से इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर माना गया। उस समय के शोधार्थियों ने सप्रमाण घोषणाएँ की थीं कि यहाँ दबे नगर कभी मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से भी बड़े रहे होंगे।
   अब सभी शोध विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि राखीगढ़ी, भारत-पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान का आकार और आबादी की दृष्टि से सबसे बड़ा शहर था। प्राप्त विवरणों के अनुसार समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सभी सड़कें 1.92 मीटर चौड़ी थीं। यह चौड़ाई कालीबंगा की सड़कों से भी ज्यादा है। एक ऐसा बर्तन भी मिला है, जो सोने और चाँदी की परतों से ढका है। इस स्थल पर एक 'फाउंड्री' के भी चिह्न मिले हैं, जहाँ संभवतः सोना ढाला जाता होगा। इसके अलावा टैराकोटा से बनी असंख्य प्रतिमाएँ ताँबे के बर्तन और कुछ प्रतिमाएँ और एक 'फ़र्नेस' के अवशेष भी मिले हैं। मई, 2012 में 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने इसे एशिया के दस ऐसे 'विरासत स्थलों' की सूची में शामिल किया है, जिनके नष्ट हो जाने का खतरा है।
   राखीगढ़ी का पुरातात्त्विक महत्त्व विशिष्ट है। इस समय यह क्षेत्र पूरे विश्व के पुरातत्त्व विशेषज्ञों की रुचि और जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। यहाँ बहुत से काम बाकि हैं, जो अवशेष मिले हैं, उनका समुचित अध्ययन अभी शेष है। उत्खनन का काम अब भी अधूरा है।

(i) **(ख)** राखीगढ़ी
व्याख्या: हरियाणा के पुरातत्त्व विभाग द्वारा किए गए शोध तथा खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली ईसा से लगभग 3300 वर्ष मौजूद राखीगढ़ी के सिंधु- सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर होने की संभावना है।

(ii) **(क)** शहर नियोजित था
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार राखीगढ़ी में चौड़ी सड़कों के पाए जाने से स्पष्ट होता है कि यह शहर नियोजित था। इसकी सड़कों की चौड़ाई 1.92 मीटर थी।

(iii) **(ख)** नष्ट हो जाने का खतरा है
व्याख्या: मई, 2012 में राखीगढ़ी को 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने एशिया के विरासत स्थलों में शामिल किया है, क्योंकि इसके नष्ट हो जाने का खतरा है।

(iv) **(ग)** विकल्प (iv)
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश में हरियाणा के हिसार जिले में खुदाई में मिले राखीगढ़ी शहर पर प्रकाश डाला गया है, इसलिए इसका उपयुक्त शीर्षक 'एक विस्तृत शहर राखीगढ़ी' होगा।

(v) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है। शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कर्त्तव्याभिमुख हो जाता है। 'स्व' से 'पर' की ओर अग्रसर होने लगता है। निर्बल की सहायता करना, दुःखियों के दुःख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुःख से दुःखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती हैं।

इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान् ही नहीं बनता, वरन् उसमें एक विशिष्ट जीवन-दृष्टि, रचनात्मकता और परिपक्वता का सृजन भी होता है। शिक्षित सामाजिक परिवेश में व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश की तुलना में सदैव ही उच्च स्तर पर जीवनयापन करता है। आज आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं, जिसके कारण रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिका की क्रांति, समाजवाद, पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है। यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुखी रूप है। शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता।

(i) **(घ)** शिक्षा का महत्त्व
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक 'शिक्षा का महत्त्व' होगा, क्योंकि इसमें शिक्षा की उपयोगिता एवं उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है।

(ii) **(ख)** विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन से
व्याख्या: गद्यांश में स्पष्ट किया गया है कि इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र आदि की विभिन्न प्रकार की पुस्तकों को पढ़कर विद्यार्थी विद्वान ही नहीं बनता, बल्कि उसमें एक विशिष्ट जीवन-दृष्टि का निर्माण भी होता है।

(iii) **(घ)** व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को सामान्य विषयों की जानकारी न होना
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा का दुष्परिणाम इस रूप में सामने आता है कि व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को सामान्य विषयों की जानकारी भी नहीं होती है। वे केवल रोजगार प्रदान करने वाली शिक्षा पर ही ध्यान देते हैं।

(iv) **(क)** व्यावसायिक शिक्षा को
व्याख्या: गद्यांश के आधार पर कह सकते हैं कि व्यावसायिक शिक्षा को शिक्षा के प्रति संकुचित दृष्टिकोण माना जाता है, क्योंकि व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं।

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** मुझे संदेह है कि वह ईमानदार है
व्याख्या: मुझे संदेह है कि वह ईमानदार है

(ii) **(ख)** मैं अच्छा खेला, किन्तु हार गया।
व्याख्या: मैं अच्छा खेला, किन्तु हार गया।
(iii) **(क)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य
(iv) **(घ)** विकल्प (i)
व्याख्या: कई सालों से जैसे-जैसे बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे थे वैसे-वैसे उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे।
(v) **(ग)** उसे रिपोर्ट लिखवानी है इसलिए थाने जाएगा।
व्याख्या: उसे रिपोर्ट लिखवानी है इसलिए थाने जाएगा।

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** क्रिया विशेषण पदबंध
व्याख्या: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।
(ii) **(ग)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(iii) **(ग)** अव्यय पदबंध
व्याख्या: सुबह से शाम अव्यय है।
(iv) **(क)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: विशेषण पदबंध
(v) **(ग)** क्रिया-विशेषण पदबंध
व्याख्या: क्रिया-विशेषण पदबंध

5. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** बाट जोहती रही
व्याख्या: बाट जोहती रही - राह देखना
(ii) **(क)** आकाश में उड़ना
व्याख्या: आकाश में उड़ना
(iii) **(ग)** पास रहकर दुःख देना
व्याख्या: किराया न देकर भी मकान में रहकर राजेश मकान मालिक की छाती पर मूँग दल रहा है।
(iv) **(घ)** हाथ-पाँव फूल जाना
व्याख्या: हाथ-पाँव फूल जाना
(v) **(घ)** ईद के चाँद होना
व्याख्या: ईद के चाँद होना
(vi) **(घ)** आकाश-पाताल एक कर
व्याख्या: आकाश-पाताल एक कर

6. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** अव्ययीभाव
व्याख्या: अव्ययीभाव

(ii) **(ख)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष

(iii) **(ख)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष

(iv) **(क)** द्वंद समास
व्याख्या: जहाँ दोनों पद का महत्त्व समान होता है वहाँ द्वंद समास होता है।

(v) **(घ)** सप्ताह
व्याख्या: सप्ताह - सात दिनों का समाहार

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ग)** उर्दू
व्याख्या: कैफ़ी आजमी मूलतः उर्दू भाषा के शायर हैं I

(ii) **(क)** गजराज का
व्याख्या: गजराज को जल में मगरमच्छ ने पकड़ लिया था वह डूबने की कगार में था तब श्रीकृष्ण ने मगरमच्छ को मार कर गजराज का कष्ट दूर किया था।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(घ)** देवता
व्याख्या: देवता

(ii) **(क)** मदद के लिए
व्याख्या: मदद के लिए

(iii) **(क)** सहयोग की भावना से
व्याख्या: सहयोग की भावना से

(iv) **(क)** एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना
व्याख्या: एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना

(v) **(क)** (i), (ii), (iv)
व्याख्या: परोपकारी लोगों की प्रशंसा देवता भी करते हैं। कलंक रहित लोग ही देवताओं के समीप जा सकते हैं। सभी मनुष्यों को एक-दूसरे का सहारा लेना चाहिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(क)** एक रूपया

व्याख्या: एक रूपया

(ii) **(ख)** श्री लीलाधर मंडलोई

व्याख्या: तताँरा-वामीरो कथा के लेखक लीलाधर मंडलोई हैं।

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मैं छोटा था, वह बड़े थे। मेरी उम्र नौ साल की थी, वह चौदह साल के थे। उन्हें मेरी तम्बीह और निगरानी का पूरा और जन्मसिद्ध अधिकार था और मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ।

वह स्वभाव से बड़े अध्ययनशील थे। हरदम किताब खोले बैठे रहते और शायद दिमाग को आराम देने के लिए कभी कॉपी पर, किताब के हाशियों पर, चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों की तस्वीरें बनाया करते थे। कभी-कभी एक ही नाम या शब्द या वाक्य दस-बार लिख डालते। कभी एक शेर को बार-बार सुंदर अक्षरों में नकल करते। कभी ऐसे शब्द-रचना करते, जिसमें न कोई अर्थ होता, न कोई सामंजस्य। मसलन एक बार उनकी कॉपी पर मैंने यह इबारत देखी-स्पेशल, अमीना, भाइयों-भाइयों, दरअसल, भाई-भाई। राधेश्याम, श्रीयुत, राधेश्याम, एक घण्टे तक; इसके बाद एक आदमी का चेहरा बना हुआ था। मैंने बहुत चेष्टा की कि इस पहेली का कोई अर्थ निकालूँ, लेकिन असफल रहा और उनसे पूछने का साहस न हुआ। वह नौवीं जमात में थे, मैं पाँचवी में। उनकी रचनाओं को समझना मेरे लिए छोटा मुँह बड़ी बात थी।

(i) **(क)** पाँच

व्याख्या: पाँच

(ii) **(क)** विकल्प (iii)

व्याख्या: अध्ययनशील

(iii) **(क)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(iv) **(क)** बड़े भाई साहब की रचनाओं को

व्याख्या: बड़े भाई साहब की रचनाओं को

(v) **(क)** पाठ-बड़े भाई साहब, लेखक-प्रेमचंद

व्याख्या: पाठ-बड़े भाई साहब, लेखक-प्रेमचंद

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) धरोहर अनेक प्रकार के होते हैं , जो पूरे राष्ट्र के लिए होते हैं , उन्हें राष्ट्रीय धरोहर कहते हैं । कविता के अनुसार तोप भी एक राष्ट्रीय धरोहर है। इसी कारण से इस टॉप को देखभाल की जाती है और साल में दो बार इसे चमकाया जाता है । यह हमें याद दिलाती हैं कि 1857 के संघर्ष में क्या हुआ था। यह तोप हमें स्वतंत्रता संघर्ष की याद दिलाती है तथा देशवासियों को संघर्ष करने की प्रेरणा देती है। धरोहरें हमें हमारी संस्कृति व इतिहास से जोड़ती हैं। ये हमें पूर्वजों की उपलब्धियों से परिचित कराती हैं। इन्हीं के माध्यम से हम अपनी पुरानी पीढ़ियों से जुड़े रहने हैं। साथ ही इनसे हमें यह सीख भी मिलती है कि हमें अतीत की गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए। अपने देश की रक्षा और सम्मान करना चाहिए ।

(ii) कवि को ईश्वर के अतिरिक्त अपनी बुद्धि व कौशल पर विश्वास है। उन्हें अपनी शक्ति व कठिनाइयों का सामना करने के लिए बुद्धि के बल पर बनाई गई योजनाओं और कुशलता के

बल पर उनका सामना करने की क्षमता पर विश्वास है, क्योंकि कवि का मानना है कि मनुष्य अपना उद्धार स्वयं ही कर सकता है, अपनी कठिनाइयों से खुद छुटकारा पा सकता है, कोई और उसकी सहायता नहीं कर सकता। वह जानता है कि वह यदि अपनी समस्त शक्तियों का उचित प्रयोग करेगा, तो कठिनाइयाँ निश्चय ही दूर होंगी।

(iii) पर्वत प्रदेश में पावस' कविता पर्वतीय सौंदर्य को व्यक्त करने वाली कविता है। इस कविता में कवि ने पर्वत प्रदेशों में वर्षा ऋतु का वर्णन अत्यंत ही मनमोहक ढंग से किया है तथा अलंकारों का प्रयोग करके उसे जीवंत कर दिया है | वर्षा काल में प्रकृति में क्षण-क्षण होने वाला परिवर्तन देखकर लगता है कि प्रकृति सजने-धजने के क्रम में पल-पल अपना वेश बदल रही है। विशाल आकार वाला पर्वत अपने पुष्प रूपी आँखों से नीचे बहते हुए पानी में अपने बड़े आकार को बार-बार देख रहा है | तालाब का जल दर्पण के समान स्वच्छ और पारदर्शी है | पर्वतों से गिरते झरने सफ़ेद मोतियों की लड़ियों जैसे लगते हैं। पर्वतों पर उगे हुए पेड़ अपने ऊँचा उठने के कामना में चिंतित होकर एकटक आकाश की ओर निहार रहे हैं |
अचानक बादल उमड़ते हैं। बादलों में पर्वत और झरने अदृश्य हो जाते हैं। ऐसा लगता है जैसे पर्वत विशालकाय पक्षी की भाँति पंख फड़फड़ाकर उड़ जाते हैं। झरने ऐसे प्रतीत होते हैं जैसे उनमें अचानक एक सन्नाटा छा गया हो | मूसलाधार वर्षा आरंभ हो जाती है। शाल के पेड़ भयभीत होकर धरती में धंसने से लगते हैं। तालाब से धुआँ उठने लगता है। ऐसा लगता है जैसे इंद्र अपनी जादूगरी दिखा रहा है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) वृजलाल गोयनका स्वतंत्रता सेनानी थे, जो कई दिनों से लेखक के साथ काम कर रहे थे। वे दमदम जेल में भी लेखक के साथ थे। वे झंडा दिवस 26 जनवरी, 1931 को सभास्थल की ओर जाते हुए पकड़े गए। पहले तो वे झंडा लेकर 'वंदे मातरम्' बोलते हुए इतनी तेज गति से भागे कि अपने आप गिर गए किंतु उठकर फिर से चलने लगे। एक अंग्रेज घुड़सवार ने उन्हें लाठी मारी और पकड़ा परंतु थोड़ी दूर जाने के बाद छोड़ दिया। इस पर वे स्त्रियों के झुंड में शामिल हो गए पुलिस ने उन्हें फिर से पकड़ कर दूर ले जाकर छोड़ दिया छोड़ दिया। तब वे दो सौ आदमियों का जुलूस लेकर लालबाजार गए जहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मदालसा से यह पता चला कि उन्हें पुलिस ने बहुत मारा है। बृजलाल गोयंका यहां आंदोलनकारियों के उत्साह एवं देश भक्ति के प्रतीक बनकर उभरे हैं।

(ii) वज़ीर अली अवध का नवाब था। उसे अपदस्थ कर अंग्रेज़ों ने अपने समर्थक सआदत अली को अवध का नवाब बना दिया था। वज़ीर अली ने कंपनी के वकील की हत्या के बाद विद्रोह प्रारंभ कर दिया। उसके जीवन का एकमात्र लक्ष्य अंग्रेजों को अपने देश से बाहर करना था। कंपनी के हुक्मरानों की नींद उड़ा देने वाला वह दिलेर बिना किसी डर के अकेला ही कर्नल के खेमे में जा पहुँचा और उससे कारतूस भी ले लिए। जाने से पहले उस बहादुर ने अपना परिचय भी दे दिया। पर कर्नल कुछ नहीं कर सका। इससे स्पष्ट है कि वज़ीर अली वाकई एक जाँबाज़ सिपाही था।

(iii) चाय पीने के क्रम में लेखक ने अनुभव किया कि उसके दिमाग की रफ्तार धीमी हो गई है, लगभग बंद-सी ही हो गई है। उसे लगा वह अनंतकाल में जी रहा है, यहाँ तक कि उसे सन्नाटा भी स्पष्ट सुनाई देने लगा। अकसर हम अपने गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भविष्य या भूतकाल में जीते है। जबकि असल में ये दोनों काल ही मिथ्या है। चाय पीते-पीते उसके दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए। केवल वर्तमान क्षण उसके सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। और जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के भाव हैं। वे अपने धर्म के प्रति अधिक निष्ठावान हैं। वे ठाकुरजी का आशीर्वाद लेकर ही हर शुभ कार्य को आरंभ करना चाहते हैं। किसी भी नए कार्य को आरंभ करने से पूर्व वे ठाकुरजी की मनौती मनाते हैं और कार्य पूरा होने पर ठाकुरबारी को दान देते हैं। इस प्रकार ठाकुरबारी के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा होने का कारण उनकी धार्मिक एवं अंधविश्वासी मनोवृत्ति है। हरिहर काका को भी ठाकुरबारी पर अपार श्रद्धा थी, परंतु उनकी ज़मीन-जायदाद के लिए जब ठाकुरबारी के महंत द्वारा उनका अपहरण किया गया तब हरिहर काका का ठाकुरबारी के प्रति श्रद्धा भाव व भक्ति भाव समाप्त हो गया। ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रदधा है। इस श्रदधा का कारण उनका धर्म के प्रति प्रगाढ़ रुझान है। हर शुभ काम में वे ठाकुर जी का योगदान मानते हैं । कोई भी काम करने से पहले वे ठाकुर जी की मनौती मानते हैं। काम पूरा होने पर वे ठाकुरबारी को दान देते हैं। ठाकुरबारी के प्रति उनकी अटूट श्रदधा का कारण उनकी धार्मिक मनोवृत्ति है ।

(ii) पाठ के अनुसार विद्यालय के हेडमास्टर शर्मा जी एक कोमल हृदय और स्नेहपूर्ण व्यक्ति थे। वे विद्यार्थियों को गलतियों पर कठोर दण्ड को एक शिक्षक का एक विद्यार्थी के प्रति बर्बरतापूर्ण व्यवहार मानते थे। जैसे उन्होंने पी टी सर को विद्यार्थियों को कठोर दण्ड देते हुए पकड़ लिया और उन्हें निलंबित कर दिया था।
मेरे विचार से उनकी यह धारणा उचित थी । बच्चों को उनकी गलतियों के लिए एक सीमा के अनुसार दण्ड मिलना चाहिए तथा दण्ड देने के लिए शारीरिक दण्ड के अलावा भी और कई तरीके हैं। विद्यार्थियों विद्यालय में विद्यार्जन करने जाते हैं यदि उन्हें अधिक दण्ड दिया जाए तो उनके शिक्षक अधिगम प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होगी । ऐसे शिक्षकों से बच्चे हमेशा डरे रहते हैं। अतः विद्यार्थियों को पढ़ाने के नाम पर पीटने वाले अध्यापकों के प्रति हेडमास्टर शर्मा जी का व्यवहार पूर्णतः उचित और सराहनीय है।

(iii) ज़हीन (बुद्धिमान) होने के बावजूद भी टोपी नौवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। उसकी पारिवारिक परिस्थितियाँ उसकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करती थीं। जब भी वह पढ़ने बैठता तो बड़े भाई या माँ को कोई काम याद आ जाता, जो सिर्फ़ वही कर सकता था। छोटा भाई उसकी कॉपियाँ खराब कर दिया करता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया। डॉक्टर भृगु नारायण चुनाव के लिए खड़े हो गए और घर में चुनावी माहौल छा गया परंतु फिर उसने दढ़निश्चय किया कि वह किसी भी तरह परीक्षा पास ज़रूर करेगा और उसने कर दिखाया। सच्ची लगन और हढ़निश्चय से जो काम उसने तीसरे साल में किया उसे पहले साल में भी कि जा सकता था। परिस्थितियाँ सदैव हमारे अनुकूल नहीं होती परंतु उनका सामना करके कर्तव्यपथ पर बढ़कर ही हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. P-276, गोविन्द अपार्टमेन्ट,
पालम कॉलोनी, दिल्ली
27 फरवरी, 2019
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
सेक्टर 63, नई दिल्ली।
विषय- बढ़ते अपराध के संबंध में
महोदय,
मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र के माध्यम से पुलिस विभाग का ध्यान शहर में बढ़ते हुए अपराध

की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।
आज स्थिति यह है कि अकेला चलना खतरे से खाली नहीं रह गया है। महिलाओं की स्थिति तो और भी बुरी है। मोटर साइकिलों पर सवार अपराधी राह चलती महिलाओं के गले से चेन, पर्स एवं अन्य आभूषण झपटकर कब फरार हो जाए, कहा नहीं जा सकता है। दुपहिया वाहनों पर सवार ये अपराधी अकसर बैंक के आसपास खड़े रहते हैं और बैंक से निकलने वालों के हाथ से पैसे छीनकर भाग जाते हैं। बस स्टैंड के पास सुबह-शाम कुछ मनचले किस्म के लड़के खड़े होते हैं जो आती-जाती लड़कियों एवं महिलाओं पर अश्लील फब्तियाँ कसते हैं। पखवाड़ा भी नहीं बीतने पाता कि फिरौती के लिए अपहरण की घटना घट जाती है। ऐसी स्थिति में शहर में सुरक्षा व्यवस्था को ठीक करने की तुरंत आवश्यकता है।
आपसे अनुरोध है कि इस समस्या को अपने पत्र में प्रमुखता से स्थान देकर संबंधित अधिकारियों को जागृत करने का कष्ट करें।
सधन्यवाद।
भवदीय
सचिन सिंह

अथवा

प्रधानाचार्य जी
कैनेडी पब्लिक स्कूल
पालम कॉलोनी, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
विषय-विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र लेने हेतु प्रार्थना पत्र।
मान्यवर,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरे पिता जी यहीं पास के औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में काम करते थे। सीलिंग के कारण उनकी फैक्ट्री बंद हो गई है, जिसके कारण वे बेरोज़गार हो गए हैं। अतः उन्होंने सपरिवार गाँव जाने का निश्चय किया है। इस स्थिति में अब इस विद्यालय में अपनी पढ़ाई निरंतर कर पाना मेरे लिए संभव नही है। मुझे अब गाँव के ही किसी विद्यालय में प्रवेश लेना होगा। अन्य विद्यालय में प्रवेश लेने हेतु मुझे 'विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र' लेना आवश्यक है। अन्यथा मैं अन्य विद्यालय में आसानी से प्रवेश नहीं ले पाऊंगा। अतः आपसे प्रार्थना है कि मुझे विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र प्रदान करें ताकि मैं दूसरे स्कूल में प्रवेश ले सकूँ।
सधन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
विनय कुमार
कक्षा - IX ‘अ’
अनु. - 12

15. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।
लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्‌भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल,

शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।
उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए।

अथवा

आज के युग को विज्ञापनों का युग कहा जा सकता है। आज सभी जगह विज्ञापन-ही-विज्ञापन नज़र आते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पाद एवं सेवा से संबंधित लुभावने विज्ञापन देकर उसे लोकप्रिय बनाने का हर संभव प्रयास करते हैं। किसी नए उत्पाद के विषय में जानकारी देने, उसकी विशेषता एवं प्राप्ति स्थान आदि बताने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। विज्ञापनों के द्वारा किसी भी सूचना तथा उत्पाद की जानकारी, पूर्व में प्रचलित किसी उत्पाद में आने वाले बदलाव आदि की जानकारी सामान्य जनता को दी जा सकती है।
विज्ञापन का उद्देश्य जनता को किसी भी उत्पाद एवं सेवा की सही सूचना देना है, लेकिन आज विज्ञापनों में अपने उत्पाद को सर्वोत्तम तथा दूसरों के उत्पादों को निकृष्ट कोटि को बताया जाता है। आजकल के विज्ञापन भ्रामक होते हैं तथा मनुष्य को अनावश्यक खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। अतः विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह नहीं करें, बल्कि अपने उत्पाद के सही गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित सामान ग्राहकों तक पहुँचेगा और विज्ञापन अपने लक्ष्य में सफल होगा।

अथवा

आजकल जंक फूड अपने स्वाद, लोगों की अत्यधिक व्यस्त दिनचर्या, आसानी से बन जाने तथा सस्ता होने के कारण बहुत लोकप्रिय हो गया है। इस बाहर मिलने वाले अत्यधिक कैलोरी युक्त जंक फूड जैसे बर्गर, पिज्जा, मोमोज, टिक्की, पेटीज, चाऊमीन आदि को बच्चे ही नहीं बड़े भी बहुत शौक से खाते हैं। पोषक तत्त्वों की कमी के कारण यह स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, क्योंकि यह अत्यधिक कार्बोहाइड्रेट, उच्च स्तरीय वसा, लवणता और कॉलेस्ट्रोल युक्त भोजन होता है। वैज्ञानिक शोधों से ज्ञात हुआ है कि जंक फूड का स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके नियमित सेवन से मोटापा, उच्च रक्तचाप, हड्डियों संबंधी रोग, मधुमेह, पाचन तंत्र संबंधी समस्याएँ, मानसिक विकार, यकृत विकार आदि दुष्परिणाम हो सकते हैं। माता-पिता को बच्चों में पौष्टिक आहार ग्रहण करने की आदतें विकसित करनी चाहिए तथा जंक फूड खाने से रोकना चाहिए। हमें स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए जंक फूड से बचना चाहिए।

विज्ञापन

निशुल्क! निशुल्क! निशुल्क! निशुल्क! निशुल्क!

श्री गोविन्दम् विद्यालय परिसर में
सबके लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन
शिविर में विद्यालय के सभी कर्मचारियों और विद्यार्थियों का निशुल्क परीक्षण

16. विद्यालय का मानना है अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन का सच्चा आनंद है,
कहा भी गया है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।
शिविर का दिनांक- 01-02-20 समय प्रातः 9:30 बजे से
अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें-
सचिव
विद्यालय स्वास्थ्य सेवा समिति
दूरभाष संख्या - 0000000000
विद्यालय प्रशासन द्वारा जारी

अथवा

सभी कक्षाओं के लिए
तृप्ति कोचिंग सेंटर

कक्षा 6 से 10 तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार	कक्षा 11वीं से 12वीं तक मंगलवार, वीरवार, शनिवार

तृप्ति कछवाहा
फोन: 788888xxxx
ईमेल: tripti@cochingcentre.com

17. **नारी का संघर्ष**

मैं एक स्त्री हूँ। मेरा नाम कोई मायने नहीं रखता है। आज मैं आपको अपने संघर्ष की कथा सुनाना चाहती हूँ, जो कि एक माता के गर्भ से आरंभ हो जाता है और जीवनपर्यन्त चलता है। जन्म से पहले ही हम में से कइयों को गर्भ में ही मार दिया जाता है। लेकिन मेरा जन्म हुआ। उसके बाद जब मैं बड़ी हुई तो मैंने ध्यान दिया कि समाज में लड़कों के लिए कुछ अलग नियम हैं और लड़कियों के लिए कुछ और नियम।

फिर मेरा जीवन आगे बढ़ा, मैंने सोचा कि अब सारी कठिनाइयों का अंत हो जाएगा। लेकिन नहीं, कुछ बड़ी होने पर समाज के कुछ तथाकथित मर्दो ने मेरा शोषण करना चाहा, मैंने मदद की गुहार की लेकिन कोई नहीं आया और मेरा पूरा जीवन इसी तरह के अनेक शोषणों के खिलाफ संघर्ष में बीत गया।

अंततः मैं एक बात समझ गई कि इस देश में सिर्फ पत्थर की देवियों की पूजा होती है और जो जीवित हैं उनका तो सम्मान भी नहीं होता है।

अथवा

From : prema14@gmail.com
To : hr90@gmail.com
CC :
BCC :
विषय - कंप्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु जानकारी
अभिवादन,
आपका चयन कम्प्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हुआ है। आपको प्रशिक्षण अवधि के लिए भुगतान किया जाएगा। आपका प्रशिक्षण मंगलवार 19 मार्च, 2021 से शुरू होगा। जब आप प्रशिक्षण के लिए आएँ तो अपने साथ नीचे दिए गए दस्तावेजों की प्रतियाँ लेकर आएँ। यह दस्तावेज आपको विभाग में जमा करने होंगे
आवश्यक दस्तावेज:- पासबुक, आधार कार्ड, पेन कार्ड
धन्यवाद
प्रेमा

18.

गोविन्द पब्लिक स्कूल, शिमला

सूचना

आप सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में कोई भी मोबाइल फ़ोन लेकर नहीं आएगा। विद्यालय में विद्यार्थियों का मोबाइल फोन लाना उचित नहीं है। यदि किसी भी विद्यार्थी के पास विद्यालय में फोन पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उसे विद्यालय से निकाल दिया जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा।

प्रधानाचार्य जी (प्रदीप सिंह प्रजापति)

श्याम पब्लिक स्कूल शिमला

दिनांक- 01-04-2019

अथवा

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

128, मधुबनी एस्टेट, सेक्टर-सत्रह, ग्रेटर नोएडा सिटी, गौतम बुद्ध नगर

वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.com इमेल: authority@gnida.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार महायोजना- 2019 में कतिपय संशोधन अनुमोदित किए गए हैं। अनुमोदित संशोधनों का संक्षिप्त विवरण प्राधिकरण की अधिकारिक वेबसाइट: www.greaternoidaauthority. पर उपलब्ध है। उपरोक्त संशोधनों पर यदि किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति या सुझाव हों तो सूचना प्रकाशित की तिथि से 15 दिन के अंदर प्रातः 9.30 बजे से 5.30 बजे तक प्राधिकरण के कस्टमर केयर सेल पर महाप्रबंधक को संबोधित करते हुए लिखित रूप से प्रेषित किया जा सकता है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी